This Question Paper contains 7 printed pages.

Seat No.: | | | | | | | |

Sl. No. : 115511

002 (H)

(March, 2020)

Time : 3 Hours] ***[Maximum Marks : 100***

सूचनाएँ :

1) इस प्रश्नपत्र में कुल चार विभाग हैं। विकल्प आंतरिक हैं।
2) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3) प्रश्नपत्र में दी गई सूचना के अनुसार उत्तर लिखें।
4) शुद्ध वाक्य रचना, भाषा-शैली एवं स्वच्छता आवश्यक है।
5) प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर दिए गए हैं।

विभाग - A

■ **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए :** [3]

1) किसकी थाप मृत गाँव में संजीवनी शक्ति भरती रहती है?
   (अ) दर्शक की तालियों की
   (ब) मेंढक मंडली की
   (क) ढोलक की
   (ड) भक्त की

2) मानचित्र पर एक लकीर खींच देने से ज़मीन और .... बँट नहीं जाती है।
   (अ) भूमि
   (ब) जनता
   (क) विरासत
   (ड) प्रसिद्धि

3) शिरीष पुष्प केवल .... के पदों का कोमल दबाव सहन कर सकता है।
   (अ) पक्षियों
   (ब) प्राणियों
   (क) मनुष्य
   (ड) भौंरों

■ जोड़े मिलाइए : [2]

पात्र		संवाद
4) कस्टम अफ़सर	—	टी.वी. ने दूर-दराज़ के गाँवों तक में बहुराष्ट्रीय कंपनियों को पहुँचा दिया है।
5) जस्टिस एस.एन. कपूर	—	'दो चाय लाओ, अच्छी वाली।'
	—	तो आप क्या ईस्ट बंगाल के हैं?

■ **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए :** [3]

6) चार्ली की तीन हिन्दी फिल्मों का नाम लिखिए।

7) इंदर सेना कब निकलती थी?

8) मलेरिया और हैज़े से पीड़ित गाँव किस तरह काँप रहा था?

■ **निम्नलिखित प्रश्नों के दो-तीन वाक्यों में लिखिए :** [6]

9) 'नमक' कहानी में नमक किस बात का प्रतीक है?

10) शिरीष को कालजयी अवधूत क्यों कहा गया है?

11) 'भातृता' के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

■ **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पंद्रह-बीस वाक्यों में लिखिए :** [10]

12) जाति प्रथा भारतीय समाज में बेरोजगारी व भुखमरी का एक कारण कैसे बन सकती है? क्या यह स्थिति आज भी है - स्पष्ट कीजिए।

13) मानचित्र पर एक लकीर खींच देने से ज़मीन और जनता बँट नहीं जाती, उचित तर्क व उदाहरणों के साथ इसकी पुष्टि कीजिए।

अथवा

चार्ली चेपलिन का भारतीयकरण किन-किन रूपों में पाया जाता है? पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

■ **निम्नलिखित गद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :** [6]

14) शिरीष का फूल संस्कृत साहित्य में कोमल माना गया है —
''पदं सहेत भ्रमरस्य पेलवं शिरीष पुष्पं न पुनः पतत्रिणाम्।''

15) ''आकाश से टूटकर यदि कोई भावुक तारा पृथ्वी पर जाना भी चाहता तो उसकी ज्योति और शक्ति रास्ते में ही शेष हो जाती थी। अन्य तारे उसकी भावुकता अथवा असफलता पर खिलखिलाकर हँस पड़ते थे।''

विभाग -B

■ **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए :** **[3]**

16) राख से लिपा हुआ चौका कैसा पड़ा है?

(अ) सूखा

(ब) गीला

(क) बंद

(ड) सामने बेबस हालात में

17) 'सहर्ष स्वीकारा है' कविता के कवि कौन हैं?

(अ) कुँवर नारायण

(ब) महादेवी वर्मा

(क) आलोक धन्वा

(ड) गजानन माधव मुक्तिबोध

18) कुंवर नारायण का जन्म कब हुआ था?

(अ) 18 सितंबर, 1927

(ब) 19 सितंबर, 1927

(क) 19 सितंबर, 1928

(ड) 19 सितंबर, 1926

■ **जोड़े मिलाइए :** **[2]**

रचनाकार		रचना
19) रघुवीर सहाय	—	बादल राग
20) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	—	पतंग
	—	कैमरे में बंद अपाहिज

■ **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए :** **[3]**

21) 'हम दूरदर्शन पर बोलेंगे' में आए 'हम' शब्द से क्या तात्पर्य है?

22) कविता रचने और फूल खिलने में क्या साम्यता है?

23) बच्चों की दुनिया कैसी होती है?

■ **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए :** **[4]**

24) 'शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ' - इस भाव का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

25) दर्शकों की मानसिकता क्या है?

■ **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पंद्रह-बीस वाक्यों में लिखिए :** **[10]**

26) 'कैमरे में बंद अपाहिज करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता ही कविता है' — अपने शब्दों में समझाइए।

27) सूर्योदय से पहले आकाश में क्या-क्या परिवर्तन आते हैं — 'उषा' कविता के आधार पर समझाइए।

अथवा

'बादल राग' जीवन के नए राग का सूचक है — स्पष्ट कीजिए।

■ **निम्नलिखित पद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :** **[8]**

28) ऊँचे-नीचे करम, धरम-अधरम करि,
पेट ही को पचत, बेचत बेटा-बेटकी।

29) आखिरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था
ज़ोर ज़बरदस्ती से
बात की चूड़ी मर गई
और वह भाषा में
बेकार घूमने लगी।

विभाग - C

■ **निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए :** **[2]**

30) रमतोत्सव

31) निर्विवाद

अथवा

रवीन्द्र

■ **निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखिए :** **[2]**

32) पंछी

33) आग

■ **निम्नलिखित शब्दों से प्रत्यय अलग करके लिखिए :** **[2]**

34) ताकतवान

35) पुरुषत्व

■ **निम्नलिखित शब्दों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए :** **[2]**

36) पंचरत्न

37) रामसीता

■ **निम्नलिखित शब्दों के समूह के लिए एक शब्द लिखिए :** **[2]**

38) जिसका पति मर चुका हो

39) धर्म में नहीं माननेवाला

■ **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :** **[4]**

40) बात का बन जाना

41) अकिंचित्कर होना

■ **निम्नलिखित छंद की सोदाहरण परिभाषा लिखिए :** **[2]**

42) कवित्त

अथवा

चौपाई

■ **निम्नलिखित अलंकारों की सोदाहरण परिभाषा लिखिए :** **[4]**

43) रूपक

44) अनुप्रास

विभाग - D

■ **निम्नलिखित अपठित परिच्छेद का एक तिहाई में सारांश लिखकर उचित शीर्षक दीजिए :** **[5]**

45) संभवत: पुरुषों ने औरतों पर शुरू से ही इस आधार पर शासन करना शुरू किया है कि वे उनकी तुलना में शारीरिक रूप से ज़्यादा सक्षम हैं; पुरुष ही कमाकर लाता है; बच्चे पालता-पोसता है; और जो मन में आए, करता है, लेकिन हाल ही में स्थिति बदली है। औरतें अब तक इन सबको सहती चली आ रही थीं, जो कि बेवक़ूफ़ी ही थी। चूँकि इस प्रथा को जितना अधिक जारी रखा गया, यह उतनी ही गहराई से अपनी जड़ें जमाती चली गई। सौभाग्य से, शिक्षा, काम तथा प्रगति ने औरतों की आँखें खोली हैं। कई देशों में तो उन्हें बराबरी का हक दिया जाने लगा है। कई लोगों ने, कई औरतों ने और कुछेक पुरुषों ने भी अब इस बात को महसूस किया है कि इतने लंबे अरसे तक इस तरह की वाहियात स्थिति को झेलते जाना गलत ही था। आधुनिक महिलाएँ पूरी तरह स्वतंत्र होने का हक चाहती हैं। लेकिन इतना ही काफ़ी नहीं है। महिलाओं का भी पूरा सम्मान किया जाना चाहिए। सैनिकों और युद्धों के वीरों का सम्मान किया जाता है, उन्हें अलंकृत किया जाता है, उन्हें अमर बना डालने तक का शौर्य प्रदान किया जाता है, शहीदों को पूजा भी जाता है, लेकिन कितने लोग ऐसे हैं, जो औरतों को भी सैनिक का दर्जा देते हैं?

■ **निम्नलिखित विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए :** **[10]**

46) दहेज प्रथा — एक कलंक

अथवा

घायल सैनिक की आत्मकथा

अथवा

वर्तमान समय का भारत

अथवा

मेरा प्रिय त्यौहार

■ **निम्नलिखित अपठित काव्यांश का भावार्थ लिखिए :** **[5]**

47) खोल सीना, बाँधकर मुट्ठी कड़ी
मैं खड़ा ललकारता हूँ
ओ निर्यात!
तू सुन रही है?
मैं खड़ा तुझको ललकारता हूँ
क्योंकि मैंने आज पाया है
स्वयं का ज्ञान,
क्योंकि मैं पहचान पाया हूँ कि
मैं मुक्त हूँ मुक्त, बंधनहीन
और तू है मात्र भ्रम, मिथ्या वचना
इसलिए इस ज्ञान के आलोक के पल में
मिल गया है आज मुझको सत्य का आभास।

◆◆◆